

1 Thessalonians

1 थिस्सलुनीकियों

१ पौलूस और सिलवानुस और तीमुथियुस की तरफ़ से थिस्सलोनिकियों की कलीसिया के नाम, जो ख़ुदा बाप और ख़ुदा वंद ईसा' मसीह में है, फ़ज़ल और इत्मिनान तुम्हें हासिल होता रहे | २ तुम सब के बारे में हम ख़ुदा का शुक्र बजा लाते हैं और अपनी दु'आओं में तुम्हें याद करते हैं | ३ और अपने ख़ुदा और बाप के हज़ूर तुम्हारे ईमान के काम और मुहब्बत की मेहनत और उस उम्मीद के सब्र को बिला नागा याद करते हैं जो हमारे ख़ुदावन्द ईसा' मसीह की वजह से है | ४ और ऐ भाइयो! ख़ुदा के प्यारों हम को मा'लूम है; कि तुम चुने हुए हो | ५ इसलिए कि हमारी ख़ुशख़बरी तुम्हारे पास न फ़क़त लफ़ज़ी तौर पर पहुँची बल्कि कुदरत और रूह-उल-कुहूस और पूरे यक़ीन के साथ भी चुनाँचे" तुम जानते हो कि हम तुम्हारी ख़ातिर तुम में कैसे बन गए थे | ६ और तुम कलाम को बड़ी मुसीबत में रूह-उल-कुहूस की ख़ुशी के साथ कुबूल करके हमारी और "ख़ुदावन्द" की मानिन्द बने | ७ यहाँ तक कि मकिदुनिया और अरब्या के सब ईमानदारों के लिए नमूना बने | ८ क्योंकि तुम्हारे हाँ से न फ़क़त मकिदुनिया और अरब्या में ख़ुदावन्द के कलाम का चर्चा फैला है, बल्कि तुम्हारा ईमान जो "ख़ुदा" पर है हर जगह ऐसा मशहूर हो गया है कि हमारे कहने की कुछ ज़रूरत नहीं | ९ इसलिए कि वो आप हमारा ज़िक्र करते हैं कि तुम्हारे पास हमारा आना कैसा हुआ और तुम बुतों से फिर कर "ख़ुदा" की तरफ़ मुखातिब हुए ताकि ज़िन्दा और हक़ीक़ी "ख़ुदा" की बन्दगी करो | १० और उसके बेटे के आसमान पर से आने के इन्तिज़ार में रहो, जिसे उस ने मुर्दों में से

जिलाया या'नी ईसा' मसीह" के जो हम को आने वाले ग़ज़ब से बचाता है।

२

१ ऐ भाइयों! तुम आप जानते हो कि हमारा तुम्हारे पास आना बेफ़ाइदा न हुआ। २ बल्कि तुम को मा'लूम ही है कि बावजूद पहले फ़िलिप्पी में दुःख उठाने और बेइज़्जत होने के हम को अपने "ख़ुदा" में ये दिलेरी हासिल हुई कि "ख़ुदा"की ख़ुशख़बरी बड़ी जाँफ़िशानी से तुम्हें सुनाएँ। ३ क्योंकि हमारी नसीहत न गुमराही से है न नापाकी से न धोखे के साथ। ४ बल्कि जैसे ख़ुदा ने हम को मक्बूल करके ख़ुशख़बरी हमारे सुपुर्द की वैसे ही हम बयान करते हैं; आदमियों को नहीं बल्कि ख़ुदा को ख़ुश करने के लिए जो हमारे दिलों को आज़माता है। ५ क्योंकि तुम को मा'लूम ही है कि न कभी हमारे कलाम में ख़ुशामद पाई गई न लालच का पर्दा बना "ख़ुदा"इसका गवाह है। ६ और हम न आदमियों से इज़्जत चाहते हैं न तुम से न औरों से अगरचे मसीह के रसूल होने की वजह तुम पर बोझ डाल सकते थे। ७ बल्कि जिस तरह माँ अपने बच्चों को पालती है उसी तरह हम तुम्हारे दर्मियान नर्मी के साथ रहे। ८ और उसी तरह हम तुम्हारे बहुत अहसानमंद होकर न फ़क़त "ख़ुदा"की ख़ुशख़बरी बल्कि अपनी जान तक भी तुम्हें देने को राज़ी थे; इस वास्ते कि तुम हमारे प्यारे हो गए थे! ९ क्योंकि "ऐ भाइयो! तुम को हमारी मेहनत और मशक्क़त याद होगी कि हम ने तुम में से किसी पर बोझ न डालने की गरज़ से रात दिन मेहनत मज़दूरी करके तुम्हें "ख़ुदा"की ख़ुशख़बरी की मनादी की। १० तुम भी गवाह हो और ख़ुदा भी कि तुम से जो ईमान लाए हो हम कैसी पाकीज़गी और रास्तबाज़ी और बे'ऐबी के साथ पेश आए। ११ चुनाँचे तुम जानते हो। कि जिस तरह बाप अपने बच्चों के साथ करता है उसी तरह हम भी तुम में से हर एक को नसीहत करते और दिलासा देते और

समझाते रहे। १२ ताकि तुम्हारा चालचलन खुदा के लायक हो जो तुम्हें अपनी बादशाही और जलाल में बुलाता है। १३ इस वास्ते हम भी बिला नागा खुदा का शुक्र करते हैं कि जब खुदा का पैगाम हमारे ज़रिये तुम्हारे पास पहुँचा तो तुम ने उसे आदमियों का कलाम समझ कर नहीं बल्कि जैसा हकीकत में है खुदा का कलाम जान कर कुबूल किया और वो तुम में जो ईमान लाए हो असर भी कर रहा है। १४ इसलिए कि तुम ऐ भाइयो!, खुदा की उन कलीसियाओं की तरह बन गए जो यहूदिया में मसीह ईसा' में हैं क्योंकि तुम ने भी अपनी क्रौम वालों से वही तक्लीफें उठाई जो उन्होंने यहूदियों से। १५ जिन्होंने खुदावन्द को भी मार डाला और हम को सता सता कर निकाल दिया वो खुदा को पसंद नहीं आते और सब आदमियों के खिलाफ़ हैं। १६ और वो हमें गैर कौमों को उनकी नजात के लिए कलाम सुनाने से मना करते हैं ताकि उन के गुनाहों का पैमाना हमेशा भरता रहे; लेकिन उन पर इन्तिहा का गज़ब आ गया। १७ ऐ भाइयो! जब हम थोड़े अर्से के लिए ज़ाहिर में न कि दिल से तुम से जुदा हो गए तो हम ने कमाल आरजू से तुम्हारी सूरत देखने की और भी ज़्यादा कोशिश की। १८ इस वास्ते हम ने या'नी मुझ पौलुस ने एक दफ़ा' नहीं बल्कि दो दफ़ा' तुम्हारी पास आना चाहा मगर शैतान ने हमें रोके रखा। १९ भला हमारी उम्मीद और खुशी और फ़ख़ का ताज क्या है? क्या वो हमारे “खुदावन्द” “ के सामने उसके आने के वक़्त तुम ही न होगे। २० हमारा जलाल और खुशी तुम्हीं तो हो।

३

१ इस वास्ते जब हम ज़्यादा बर्दाश्त न कर सके तो अर्थेने में अकेले रह जाना मन्ज़ूर किया। २ और हम ने तीमुथियुस को जो हमारा भाई और मसीह की खुशख़बरी में खुदा का ख़ादिम है इसलिए भेजा कि वो तुम्हें मज़बूत करे और तुम्हारे ईमान के बारे में तुम्हें नसीहत करे। ३ कि इन मुसीबतों के ज़रिये से कोई न घबराए,

क्योंकि तुम आप जानते हो कि हम इन ही के लिए मुर्करर हुए हैं।
 ४ बल्कि पहले भी जब हम तुम्हारे पास थे, तो तुम से कहा करते थे; कि हमें मुसीबत उठाना होगा, चुनाँचे ऐसा ही हुआ और तुम्हें मा'लूम भी है। ५ इस वास्ते जब मैं और ज़्यादा बर्दाशत न कर सका तो तुम्हारे ईमान का हाल दरियाफ़्त करने को भेजा; कहीं ऐसा न हो कि आजमाने वाले ने तुम्हें आजमाया हो और हमारी मेहनत बेफ़ाइदा रह गई हो। ६ मगर अब जो तीमुथियुस ने तुम्हारे पास से हमारे पास आकर तुम्हारे ईमान और मुहब्बत की और इस बात की खुशख़बरी दी कि तुम हमारा ज़िक्र ख़ैर हमेशा करते हो और हमारे देखने के ऐसे मुश्ताक़ हो जैसे कि हम तुम्हारे। ७ इसलिए ऐ भाइयों! हम ने अपनी सारी एहतियाज और मुसीबत में तुम्हारे ईमान के जरिये से तुम्हारे बारे में तसल्ली पाई। ८ क्योंकि अब अगर तुम खुदावन्द में क्रायम हो तो हम ज़िन्दा हैं। ९ तुम्हारी वजह से अपने खुदा के सामने हमें जिस क़दर खुशी हासिल है, उस के बदले में किस तरह तुम्हारे जरिये “खुदा”का शुक्र अदा करें। १० हम रात दिन बहुत ही दु'आ करते रहते हैं कि तुम्हारी सूरत देखें और तुम्हारे ईमान की कमी पूरी करें। ११ अब हमारा “खुदा”और बाप खुद हमारा खुदावन्द ईसा' तुम्हारी तरफ़ से हमारी रहनुमाई करे। १२ और खुदावन्द ऐसा करे कि जिस तरह हम को तुम से मुहब्बत है उसी तरह तुम्हारी मुहब्बत भी आपस में और सब आदमियों के साथ ज़्यादा हो और बढ़े १३ ताकि वो तुम्हारे दिलों को ऐसा मज़बूत कर दे कि जब हमारा खुदावन्द ईसा अपने सब मुक़द्दसों के साथ आए तो वो हमारे “खुदा”और बाप के सामने पाक़ीज़गी में बेऐब हों।

४

१ ग़रज़ “ऐ भाइयो!, हम तुम से दरख़्वास्त करते हैं और खुदावन्द ईसा में तुम्हें नसीहत करते हैं कि जिस तरह तुम ने हम से मुनासिब चाल चलने और “खुदा”को खुश करने की ता'लीम पाई और

जिस तरह तुम चलते भी हो उसी तरह और तरक्की करते जाओ।
 २ क्योंकि तुम जानते हो कि हम ने तुम को खुदावन्द 'ईसा' की तरफ़ से क्या क्या हुक्म पहुँचाए। ३ चुनाँचे खुदा की मर्ज़ी ये है कि तुम पाक बनो, या'नी हरामकारी से बचे रहो। ४ और हर एक तुम में से पाकीज़गी और इज़्जत के साथ अपने ज़र्फ़ को हासिल करना जाने। ५ न बुरी ख्वाहिश के जोश से उन कौमों की तरह जो खुदा को नहीं जानतीं ६ और कोई शरूब अपने भाई के साथ इस काम में ज़्यादती और दगा न करे क्योंकि खुदावन्द इन सब कामों का बदला लेने वाला है चुनाँचे हम ने पहले भी तुम को आगाह करके जता दिया था। ७ इसलिए कि "खुदा" ने हम को नापाकी के लिए नहीं बल्कि पाकीज़गी के लिए बुलाया। ८ पस, जो नहीं मानता वो आदमी को नहीं बल्कि "खुदा"को नहीं मानता जो तुम को अपना पाक रूह देता है। ९ मगर भाई-चारे की मुहब्बत के ज़रिये तुम्हें कुछ लिखने की हाजत नहीं क्योंकि तुम ने आपस में मुहब्बत करने की "खुदा" से ता'लीम पा चुके हो। १० और तमाम मकिदुनिया के सब भाइयों के साथ ऐसा ही करते हो "लेकिन ऐ भाइयो! हम तुम्हें नसीहत करते हैं कि तरक्की करते जाओ। ११ और जिस तरह हम ने तुम को हुक्म दिया चुप चाप रहने और अपना कारोबार करने और अपने हाथों से मेहनत करने की हिम्मत करो। १२ ताकि बाहर वालों के साथ संजीदगी से बरताव करो और किसी चीज़ के मोहताज न हो। १३ ऐ भाइयो! हम नही चाहते कि जो सोते हैं उनके बारे में तुम नावाक्फ़ि रहो ताकि औरो की तरह जो ना उम्मीद है ग़म ना करो। १४ क्योंकि जब हमें ये यक्कीन है कि "ईसा" मर गया और जी उठा तो उसी तरह "खुदा"उन को भी जो सो गए हैं "ईसा" के वसीले से उसी के साथ ले आएगा। १५ चुनाँचे हम तुम से "खुदावन्द" के कलाम के मुताबिक़ कहते हैं कि हम जो ज़िन्दा हैं और "खुदावन्द"के आने तक बाकी रहेंगे सोए हुआ से हरगिज़ आगे न बढ़ेंगे। १६ क्योंकि "खुदावन्द"खुद आसमान से

लल्कार और खास फ़रिश्ते की आवाज़ और “ख़ुदा” के नरसिंगे के साथ उतर आएगा और पहले तो वो जो “मसीह” में मरे जी उठेंगे। १७ फिर हम जो ज़िन्दा बाकी होंगे उनके साथ बादलों पर उठा लिए जाएँगे; ताकि हवा में “ख़ुदावन्द” का इस्तक़बाल करें और इसी तरह हमेशा “ख़ुदावन्द” के साथ रहेंगे। १८ पस, तुम इन बातों से एक दूसरे को तसल्ली दिया करो।

५

१ मगर “ऐ भाइयो! इसकी कुछ जरूरत नहीं कि वक्रतों और मौक़ों के ज़रिये तुम को कुछ लिखा जाए। २ इस वास्ते कि तुम आप ख़ुद जानते हो कि “ख़ुदावन्द” का दिन इस तरह आने वाला है जिस तरह रात को चोर आता है। ३ जिस वक्रत लोग कहते होंगे कि सलामती और अम्न है उस वक्रत उन पर इस तरह हलाकत आएगी जिस तरह हामिला को दर्द होता है और वो हरगिज़ न बचेंगे। ४ लेकिन तुम “ऐ भाइयो, अंधेरे में नहीं हो कि वो दिन चोर की तरह तुम पर आ पड़े। ५ क्योंकि तुम सब नूर के फ़र्ज़न्द और दिन के फ़र्ज़न्द हो, हम न रात के हैं न तारीकी के। ६ पस, औरों की तरह सोते न रहो, बल्कि जागते और होशियार रहो। ७ क्योंकि जो सोते हैं रात ही को सोते हैं और जो मतवाले होते हैं रात ही को मतवाले होते हैं। ८ मगर हम जो दिन के हैं ईमान और मुहब्बत का बख़्तर लगा कर और निजात की उम्मीद कि टोपी पहन कर होशियार रहें। ९ क्योंकि “ख़ुदा” ने हमें ग़ज़ब के लिए नहीं बल्कि इसलिए मुकर्रर किया कि हम अपने “ख़ुदावन्द” ईसा मसीह” के वसीले से नजात हासिल करें। १० वो हमारी खातिर इसलिए मरा, कि हम जागते हों या सोते हों सब मिलकर उसी के साथ जिएँ। ११ पस, तुम एक दूसरे को तसल्ली दो और एक दूसरे की तरक्की की वजह बनो चुनाँचे तुम ऐसा करते भी हो। १२ और “ऐ भाइयो, हम तुम से दरख़्वास्त करते हैं, कि जो तुम में मेहनत करते और “ख़ुदावन्द” में तुम्हारे पेशवा हैं और तुम को नसीहत करते हैं उन्हें मानो। १३ और उनके काम

की वजह से मुहब्बत के साथ उन की बड़ी इज़्ज़त करो; आपस में मेल मिलाप रखो। १४ और”ए भाइयो, हम तुम्हें नसीहत करते हैं कि बे क्राइदा चलने वालों को समझाओ कम हिम्मतों को दिलासा दो कमज़ोरों को संभालो सब के साथ तहम्मूल से पेश आओ। १५ खबरदार कोई किसी से बदी के बदले बदी न करे बल्कि हर वक़्त नेकी करने के दर पै रहो आपस में भी और सब से। १६ हर वक़्त खुश रहो। १७ बिला नागा दुआ करो। १८ हर एक बात में शुक्र गुज़ारी करो क्योंकि मसीह ईसा' में तुम्हारे बारे में खुदा की यही मर्ज़ी है। १९ रूह को न बुझाओ। २० नबुव्वतों की हिक़ारत न करो। २१ सब बातों को आज़माओ, जो अच्छी हो उसे पकड़े रहो। २२ हर किस्म की बदी से बचे रहो। २३ खुदा जो इत्मिनान का चश्मा है आप ही तुम को बिलकुल पाक करे, और तुम्हारी रूह और जान और बदन हमारे “खुदावन्द” के आने तक पूरे पूरे और बेऐब महफूज़ रहें। २४ तुम्हारा बुलाने वाला सच्चा है वो ऐसा ही करेगा। २५ ए भाइयों! हमारे वास्ते दुआ करो। २६ पाक बोसे के साथ सब भाइयों को सलाम करो। २७ मैं तुम्हें खुदावन्द की क़सम देता हूँ, कि ये ख़त सब भाइयों को सुनाया जाए। २८ हमारे खुदावन्द ईसा' मसीह का फ़ज़ल तुम पर होता रहे।

उर्दू बाइबिल

The New Testament in the Urdu language, BCS 2017

copyright © 2017 Bridge Connectivity Solutions

Language: उर्दू (Urdu)

This translation is made available to you under the terms of the Creative Commons Attribution Share-Alike license 4.0.

You have permission to share and redistribute this Bible translation in any format and to make reasonable revisions and adaptations of this translation, provided that:

You include the above copyright and source information.

If you make any changes to the text, you must indicate that you did so in a way that makes it clear that the original licensor is not necessarily endorsing your changes.

If you redistribute this text, you must distribute your contributions under the same license as the original.

Pictures included with Scriptures and other documents on this site are licensed just for use with those Scriptures and documents. For other uses, please contact the respective copyright owners.

Note that in addition to the rules above, revising and adapting God's Word involves a great responsibility to be true to God's Word. See Revelation 22:18-19.

2017-11-27

PDF generated using Haiola and XeLaTeX on 27 Sep 2019 from source files dated 27 Sep 2019

bb64bcb8-2153-5c47-9a6f-7f45fece3c84